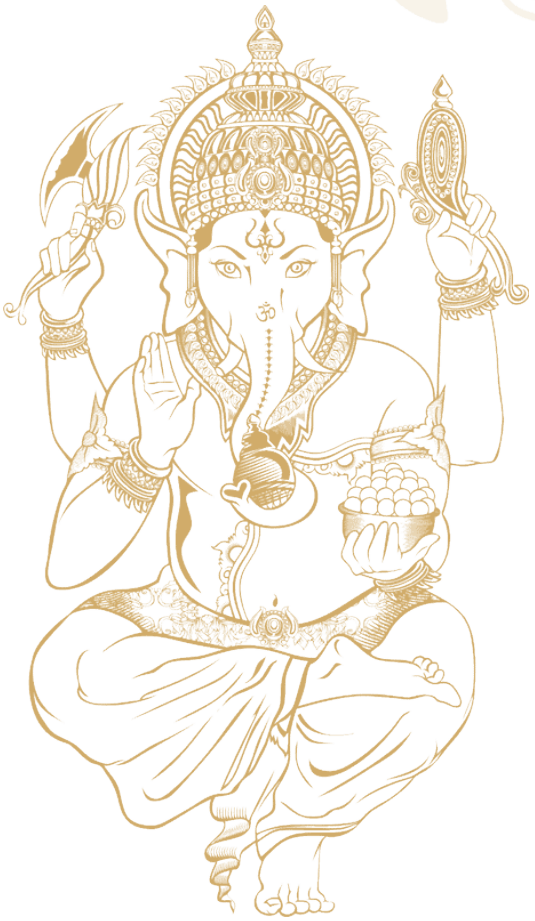

Hardik

Mehak

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121696514

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/07/2004	जन्म तिथि	01/11/2002
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:59:00	जन्म समय	18:06:00 घंटे
घटी 35:58:03	जन्म समय(घटी)	28:22:18 घटी
India	देश	India
Batala	स्थान	Jalandhar
31:48:00 उत्तर	अक्षांश	31:19:00 उत्तर
75:17:00 पूर्व	रेखांश	75:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:52	स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:46	सूर्योदय	06:43:16
19:34:00	सूर्यास्त	17:39:11
23:55:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 2वर्ष 5मा 11दि		10:35:22	मक	लग्न	मेष	24:43:37	सूर्य 5वर्ष 3मा 29दि	
केतु		02:22:05	कर्क	सूर्य	तुला	15:01:13	राहु	
30/12/2023		14:56:54	कर्क	चंद्र	सिंह	28:09:23	01/03/2025	
30/12/2030		21:39:50	कर्क	मंगल	कन्या	16:49:46	02/03/2043	
केतु	27/05/2024	27:53:56	कर्क	बुध	तुला	07:04:17	राहु	12/11/2027
शुक्र	27/07/2025	22:13:38	सिंह	गुरु	कर्क	22:30:23	गुरु	07/04/2030
सूर्य	02/12/2025	21:30:00	वृष	शुक्र व	तुला	13:22:39	शनि	11/02/2033
चन्द्र	03/07/2026	24:11:52	मिथु	शनि व	मिथु	04:47:29	बुध	31/08/2035
मंगल	29/11/2026	13:47:56	मेष व	राहु व	वृष	15:08:12	केतु	18/09/2036
राहु	18/12/2027	13:47:56	तुला व	केतु व	वृश्चि	15:08:12	शुक्र	19/09/2039
गुरु	23/11/2028	12:19:46	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	01:01:11	सूर्य	12/08/2040
शनि	01/01/2030	20:34:09	मक व	नेप	मक	14:20:38	चन्द्र	11/02/2042
बुध	30/12/2030	26:05:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:10:15	मंगल	02/03/2043

लग्न-चलित

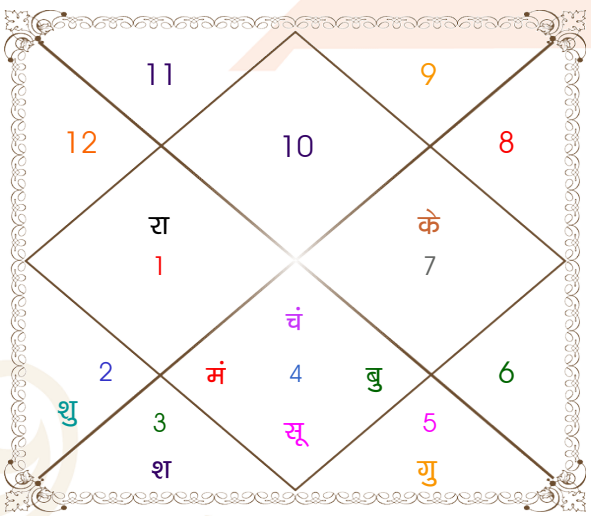

लग्न-चलित

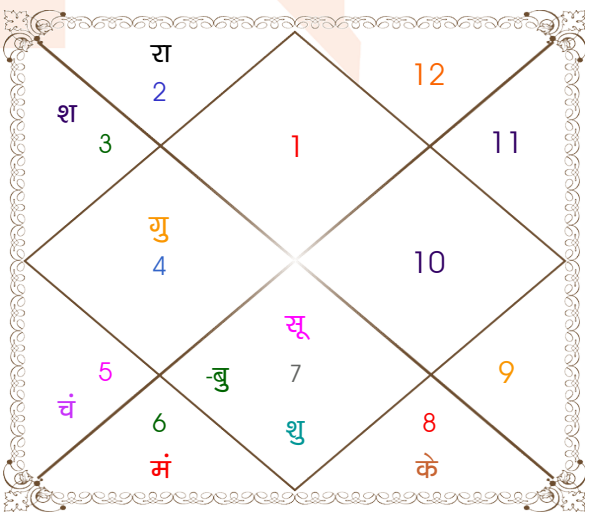

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Hardik का वर्ग श्वान है तथा Mehak का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hardik और Mehak का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Hardik मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Hardik कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Hardik कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Hardik कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mehak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mehak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Hardik तथा Mehak में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।